vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 15 vad % 17 y[kuÅ] c)okj 07 vxLr 2024 ls 13 vxLr 2024 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

मदरसों के बच्चों का स्कूलों में दाखिला के योगी सरकार के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मदरसों की बदहाली और शिक्षा के नाम पर मनमानी का जो 'खेल' चलता है, उसे योगी सरकार गंभीरता से ले रही है। मदरसों में मनमर्जी को रोकने के लिये योगी सरकार ने कई कदम उठाये हैं और इसी क्रम में अब योगी सरकार ने मान्यता प्राप्त व अनुदानित मदरसों से गैर मुस्लिम बच्चों और ४२०४ गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सभी बच्चों का स्कूलों में दाखिला कराने का जो फरमान सुनाया था, उसके खिलाफ टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया यूपी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस पर अब कोर्ट में २० अगस्त को अंतिम सुनवाई होगी। कोर्ट ने सुनवाई होने तक मदरसों के बच्चों को शिफ्ट न करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया यूपी ने मुख्य सचिव की ओर से इस संबंध में जारी आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की थी। एसोसिएशन के महामंत्री

दीवान साहेब जमां ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने राज्य सरकार के एडिशनल स लिसिटर जनरल को मौखिक निर्देश दिया कि कोई भी ऐसी कार्रवाई न की जाए जिससे सुप्रीम कोर्ट के ५ अप्रैल २०२४ के आदेश का उल्लंघन हो। उन्होंने बताया कि न्यायाधीश ने कहा कि मामले पर २० अगस्त को अंतिम सुनवाई होगी। तब तक बच्चों की शिफ्टिंग न की जाए। एसोसिएशन के महामंत्री ने बताया कि मदरसा बोर्ड एक्ट को असांविधानिक घोषित करने तथा मदरसा छात्रों को अन्य स्कूलों में स्थानांतरित करने के उच्च न्यायालय इलाहाबाद की लखनऊ पीठ के २२ मार्च के निर्णय के विरुद्ध दायर अपीलों में उच्चतम न्यायालय ने ५ अप्रैल को स्थगन आदेश दिया था, लेकिन इस आदेश की अवहेलना करते हुए केंद्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के २६ जून के पत्र के क्रम में मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव अल्प संख्यक कल्याण एवं हज तथा निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण ने मान्यता प्राप्त व अनुदानित मदरसों से गैर मुस्लिम बच्चों तथा गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सभी बच्चों को स्कूलों में ट्रांसफर करने का आदेश जारी किया था।

अब लखनऊ में बना एससीआर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के आसपास के जिलों का सामूहिक विकास करने के लिए योगी सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर उप्र राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) विकास प्राधिकरण की स्थापना कर दी है। इसके लिये शासन ने गत दिवस देर रात अधिसूचना जारी कर दी। मुख्यमंत्री प्राधिकरण के अध्यक्ष, जबकि मुख्य सचिव उपाध्यक्ष रहेंगे। इसके अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारियों, जिलों के डीएम, विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्षों को प्राधिकरण का सदस्य नामित किया गया है। अपर मुख्य सचिव आवास एवं शहरी नियोजन नितिन रमेश गोकर्ण द्वारा जारी अधिसूचना में लखनऊ समेत छह जिलों हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी को इसमें शामिल किया गया है। इन जिलों की २७,८२६ वर्ग किमी भूमि को एससीआर में शामिल हो जायेगी। इसका मुख्यालय लखनऊ में बनाया जाएगा। बता दें कि इसके गठन के लिए राज्य सरकार ने पिछले दिनों अध्यादेश जारी किया था, जिसमें एससीआर और अन्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण के गठन की व्यवस्था दी गई थी। इसके गठन

से लखनऊ के साथ ही आसपास के सभी पांच अन्य शहरों का जहां सुनियोजित विकास किया जाएगा, वहीं इन शहरों में नागरिक और अवस्थापना सुविधाओं का भी तेजी से विकास हो सकेगा। एससीआर बनने से प्रदेश के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। इन जिलों का विकास दिल्ली एनसीआर की तर्ज पर किया जाएगा।

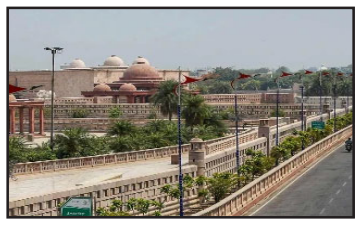

फिर बिगड़ी लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत, अपोलो अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। छुट्टी मिलने के लगभग एक महीने बाद, वरिष्ठ भाजपा नेता लालेंष्ण आडवाणी को मंगलवार को फिर से दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के मुताबिक, ९६ वर्षीय की हालत स्थिर है और निगरानी में हैं। आडवाणी को न्यूरोल जिस्ट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में भर्ती कराया गया है। पिछले महीने अपोलो अस्पताल में भर्ती होने से कुछ दिन पहले, आडवाणी को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भी भर्ती कराया गया था। आडवाणी ने १९९८ से २००४ तक गृह मंत्री और २००२ से २००४ तक उप प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया। वह २००९ के आम चुनाव के दौरान भाजपा के प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार थे। इस साल ३१ मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली में अपने आवास पर आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान

भारत रत्न से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहा था, ष्भारतीय राजनीति के पुरोधा आडवाणी ने सात दशकों से अधिक समय तक अटूट समर्पण और विशिष्टता के साथ देश की सेवा की है।' इसमें कहा गया है, "सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अपने ष्टिकोण के साथ, उन्होंने पूरे देश में दशकों तक कड़ी मेहनत की और सामाजिक—राजनीतिक परि श्य में बदलाव लाया।" आडवाणी का जन्म ८ नवंबर, १९२७ को कराची में हुआ था। वह १९४२ में आरएसएस में शामिल हुए और १९४७ में विभाजन के दौरान भारत आ गए। उन्होंने १९६० में ऑर्गनाइजर के लिए सहायक संपादक के रूप में कार्य किया और १९६७ में पूर्णकालिक राजनीति में आने के लिए यह भूमिका छोड़ दी। १९८६ में पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद विहिप की राम मंदिर की मांग का समर्थन करने की दिशा में भाजपा की ओर रुख करने में आडवाणी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने १९८६ से १९९० तक, और फिर १९९३ से १९९८ और २००४ से २००५ तक भाजपा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

बांग्लादेश में इस्क न मंदिर को बनाया गया निशाना, अशांति के बीच देवताओं की मूर्तियों को जलाया गया

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और प्रस्थान के बाद देश में जारी अशांति के बीच बांग्लादेश के खुलना डिवीजन में स्थित मेहरपुर में एक इस्क न मंदिर में तोड़फोड़ की गई और आग लगा दी गई। इस्क न मंदिर पर हमला हिंसा की व्यापक लहर का हिस्सा है जिसने पिछले २४ घंटों में बांग्लादेश में कई हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया है। इस्क न के प्रवक्ता युधिष्ठिर गोविंदा दास ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, ष्मुझे मिली जानकारी के अनुसार, मेहरपुर में हमारे एक इस्क न केंद्र (किराए पर) को जला दिया गया जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा देवी की मूर्तियाँ भी शामिल थीं। केंद्र में रहने वाले तीन भक्त किसी तरह भागने में सफल रहे और बच गए।' हसीना के निष्कासन के बाद बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, और चल रही अशांति के बीच हिंदू मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के नेता काजोल देबनाथ ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि सोमवार को कम से कम चार हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया और उन्हें मामूली नुकसान पहुंचा। मंदिरों पर हमलों के अलावा, ढाका में एक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र में भी एक अनियंत्रित भीड़ ने तोड़फोड़ की। भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक आदान—प्रदान को बढ़ावा देने वाले इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र को हिंसा में नुकसान पहुंचा। राजधानी में प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख स्थानों पर आग लगा दी, जिसमें बंगबंधु भवन भी शामिल है, जो संस्थापक पिता और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान का निजी निवास है, जो शेख हसीना के पिता भी हैं। सरकार विरोधी प्रदर्शन, जो सिविल सेवा नौकरियों के लिए कोटा प्रणाली को समाप्त करने के आह्वान के रूप में शुरू हुआ, प्रदर्शनकारियों और उनकी अवामी लीग पार्टी के समर्थकों के बीच हिंसक झड़पों के बाद शेख हसीना के पद छोड़ने की मांग में बदल गया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के दबाव में, शेख हसीना ने सोमवार को चुपके से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर भाग गईं। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार—उज—जमान ने घोषणा की कि एक अंतरिम सरकार बनाई जाएगी और उन्होंने प्रदर्शनकारियों से हिंसा बंद करने का आह्वान किया।

सम्पादकीय

आंदोलन का नया दौर शुरू

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा का संदेश है कि देश की आबादी के एक बड़े तबके ने प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद और उनकी सरकार के शासकीय औचित्य को ठुकरा दिया है। पिछले महीने सरकारी नौकरियों में आरक्षण के जिस मुद्दे पर छात्र आंदोलन भड़का था, वह मुद्दा कमोबेश छात्रों के हक में हल हो चुका है। उसके बाद बावजूद छात्रों ने आंदोलन का नया दौर शुरू कर दिया है, जिसमें उनकी एकमात्र मांग हैः प्रधानमंत्री का इस्तीफा। ऐसी मांगों के बातचीत से समाधान की कोई गुंजाइश नहीं होती, तो रविवार को सत्ताधारी आवामी पार्टी की छात्र इकाई और सत्ता पक्ष के अन्य समर्थकों ने सड़क पर उतर कर आंदोलनकारियों की चुनौती दी। दोनों तरफ से हुई हिंसा में १४ पुलिसकर्मी सहित लगभग १०० लोग मारे गए। यह साफ है कि यह आंदोलन अब सिर्फ कुछ निर्दलीय छात्र संगठनों का नहीं रह गया है। बल्कि इसमें विपक्ष एवं सरकार विरोधी तमाम गुट सक्रिय हो गए हैं। हाल में हसीना सरकार ने इस्लामी पार्टी जमायत–ए–इस्लामी पर प्रतिबंध लगाया और सोशल मीडिया प्लैटफ र्म्स को रोक दिया गया। लेकिन उसका कोई असर होता नहीं दिखा है। इसके विपरीत शेख हसीना के इस्तीफे की मांग के पक्ष में बड़ी जन गोलबंदी होती दिख रही है। अनुमान लगाया जा सकता है कि यह दो मोर्चों पर सत्ता पक्ष के शासकीय औचित्य पर उठे सवाल का नतीजा है। पहला मुद्दा तो विकराल बेरोजगारी सहित अन्य आर्थिक मोर्चों पर सरकार की नाकामी और आम जन के जीवन स्तर में आई गिरावट का है। दूसरा सवाल इस वर्ष जनवरी में जिस तरह आम चुनाव कराए गए, उससे उठा है। शेख हसीना के तटस्थ सरकार के तहत निर्वाचन से इनकार करने के कारण विपक्ष ने आम चुनाव का बहिष्कार किया था। परिणामस्वरूप अवामी लीग बिना मुकाबले के जीत तो गई, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों की निगाह में उसकी जीत संदिग्ध बनी हुई है। आधुनिक दौर में सरकारें शासकीय औचित्य दो आधार पर हासिल करती हैः एक, आम जन के जीवन में स्तर में उत्तरोत्तर सुधार के रिकॉर्ड से और दूसरा बहुमत के समर्थन के इजहार से। हसीना सरकार दोनों मोर्चों पर पिछड़ गई है।

उत्तर प्रदेश की सियासत आजकल लगातार हिचकोले ले रही, विपक्ष बीजेपी के अंतर्कलह का मजा ले रही

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सियासत आजकल लगातार हिचकोले ले रही है। विपक्ष तो बीजेपी के अंतर्कलह का मजा ले ही रहा है। संघ और बीजेपी के नेताओं में भी मतभेद बढ़ता जा रहा है। इसी बीच संघ और यूपी बीजेपी की दो दिवसीय बैठक जो आज यानी कि २० जुलाई से शुरू होने वाली थी, उसके ऐन वक्त पर स्थगित होने से माहौल और भी ज्यादा गरमा गया है। बैठक क्यों स्थगित की गई कोई नहीं बता रहा है। ज्यादा कुरेदने पर बस इतना ही कहा जाता है कि अज्ञात कारणों से बैठक को स्थगित किया गया है। बीजेपी और संघ के नेता असली वजह छुपा रहे हैं, लेकिन बैठक स्थापित होने की जो कुछ मुख्य वजह सामने आई हैं, उसके अनुसार इस समय सीएम योगी और केशव प्रसाद मौर्य की सियासी लड़ाई चल रही है, ऐसे में संघ यह नहीं दिखाना चाहता कि उसकी वजह से यह मामला ठंडा पड़ा। इसी कड़ी में आरएसएस यह भी नहीं चाहता कि उसका इस समय बैठक करने से ऐसा लगे कि योगी–मौर्य वाला मामला सही में काफी बड़ा बन चुका है। इसके ऊपर एक कारण यह भी समझ आ रहा है कि इस बैठक की खबर मीडिया में लीक हो गई थी। इस बैठक को इतना गोपनीय रखा गया था कि मीडिया तक को यह भनक नहीं होने दी गई थी की लखनऊ में यह बैठक कहां हो रही है। बता दें कि इस बैठक में बीजेपी की तरफ से सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और कुछ दूसरे पदाधिकारी मौजूद रहने वाले थे। लेकिन ऐन वक्त पर उसी बैठक को स्थगित करने का फैसला हुआ है। अभी तक बीजेपी ने कोई प्रतिक्रिया अपनी तरफ से नहीं दी है। वैसे इससे पहले सीएम योगी और मोहन भागवत के बीच में एक अहम मुलाकात हो चुकी है। वो बैठक भी लोकसभा चुनाव में यूपी में मिली करारी हार के बाद हुई थी। इस बार की बैठक संघ के सरकार्यवाह अरुण कुमार द्वारा बुलाई गई थी। यूपी बीजेपी के बड़े नेताओं के साथ मंथन होना था, कैसे पार्टी को राज्य में मजबूत किया जाए, इसका रोडमैप तैयार होना था। वैसे बीजेपी के लिए भी यह बैठक जरूरी इसलिए भी थी क्योंकि संघ के ही कुछ नेताओं की तरफ से ऐसे बयान आ चुके हैं जिन्हें पीएम मोदी से लेकर बीजेपी के खिलाफ माना जा रहा था, डैमेज कंट्रोल करने के लिहाजा से भी इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा था।

वक्फ कानून में संशोधन का विरोध करेंगे अखिलेश, कहा– हिंदुओं और मुसलमानों को बांटना बीजेपी का एकमात्र काम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले १९९५ के कानून में संशोधन के लिए संसद में विधेयक लाने के केंद्र के कदम का विरोध करेगी। पूर्व सीएम ने बीजेपी पर मुसलमानों का हक छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने अपने बयान में कहा कि भाजपा के पास हिंदू–मुसलमान या मुस्लिम भाइयों का हक कैसे छीना जाए इसके अलावा कोई काम नहीं है। उन्हें जो अधिकार मिले हैं, आजादी का अधिकार या अपने धर्म का पालन करने का अधिकार, अपनी कार्य प्रणाली को कायम रखने का अधिकार। अखिलेश ने आगे कहा कि उन्हें (सीएम योगी आदित्यनाथ) पता चला कि नजूल एक उर्दू शब्द है, अधिकारी उन्हें समझाते रहे कि नजूल का मतलब कुछ और है. लेकिन उनका मानना था

कि नजूल का मतलब मुसलमानों की जमीन है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को आरक्षण, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों की चिंता है उन्हें तुरंत बीजेपी छोड़ देनी चाहिए। सपा नेता ने कहा कि एक 'स्टूल–किट' नेता हैं...उन्हें जाति जनगणना और आरक्षण के बारे में बात करनी चाहिए।' सपा प्रमुख, जिन्होंने लखनऊ में दिवंगत सांसद और पार्टी नेता जनेश्वर मिश्र को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की, ने कहा, 'बीजेपी का एक ही काम है हिंदू और मुसलमानों को बांटना, मुस्लिम भाइयों का हक छीनना और संविधान में जो हक दिया गया है उसे कैसे छीना जाए इस पर काम करना है।' सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पहले एंग्लो–इंडियनों के अधिकार छीने थे. उन्होंने आरोप लगाया, 'एंग्लो–इंडियनों के पास लोकसभा में एक सीट और विधानसभा में एक सीट होती थी। उनका अपना प्रतिनिधित्व था, लेकिन उन्होंने फर्जी जनगणना कराई और एंग्लो–इंडियनों की सीटें छीन लीं।'

अयोध्या रेप केस पर एक बार फिर से सियासत गर्माई

लखनऊ। अयोध्या में रेप केस पर एक बार फिर से सियासत गर्मा गई है। अखिलेश यादव ने एक बार फिर मामले पर बयान देते हुए कहा कि आरोपियों का डीएनए टेस्ट होना चाहिए। अखिलेश यादव ने अधिकारियों के दबाव में होने की भी बात कही है। वहीं सांसद अवधेश प्रसाद ने सरकार से पीड़ित परिवार को २० लाख

रुपये देने की मांग की है। उनका कहना है कि पीड़िता को सुरक्षा दी जाए। साथ ही सरकार की तरफ से सहायता राशि कम से कम २० लाख रुपये होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने एक बार फिर से दोहराया है कि आरोपी का डीएनए टेस्ट होना चाहिए। अखिलेश ने मीडिया से बातचीत में यूपी में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध पर भी निशाना साधा है। उन्होंने सहारनपुर, पीलीभीत और अयोध्या की घटना को लेकर यूपी सरकार पर हमला किया। वहीं कन्नौज में दलित समाज की बेटी का पोस्टमार्टम कराने की मांग की। अखिलेश यादव ने कहा कि दलित बेटी के घटना हुई पुलिस ने बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर झूठी कहानी बनाई और उसका पोस्टमार्टम नहीं हुआ। जिस बेटी को पेड़ पर लटकाया गया था, उसका पोस्टमार्टम कराया जाए। अयोध्या में सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों से बीजेपी के एक तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली मुआवजा राशि को पांच लाख रुपये से बढ़ाकर २५ लाख रुपये करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के राज्यसभा सदस्य बाबूराम निषाद, राज्यसभा सदस्य संगीता बलवंत बिंद और राज्य के पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप शामिल थे। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने इस घटना के संबंध में परिवार से विस्तृत जानकारी भी जुटाई।

वक्फ बोर्ड अधिनियम संशोधन के समर्थन में खड़े हुए श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी

लखनऊ। वक्फ बोर्ड अधिनियम में संशोधन को लेकर चर्चा जोरों पर है। दावा किया जा रहा है कि केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड अधिनियम में संशोधन को लेकर संसद में विधेयक लाने की तैयारी में है। इन सबके बीच श्री राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या के मुख्य पुजारी, आचार्य सत्येंद्र दास जी महाराज ने सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''यह एक अच्छा कदम है, वक्फ बोर्ड की संपत्ति में महिला का कोई हिस्सा नहीं है क्योंकि कोई भी महिला सदस्य वक्फ बोर्ड का हिस्सा नहीं है, अब वक्फ बोर्ड की संपत्ति में महिलाओं का हिस्सा होगा।'' अपने बयान में सत्येंद्र दास ने कहा कि वक्फ बोर्ड के स्वामित्व वाली संपत्ति कैसी है? वक्फ बोर्ड का यह संपत्ति किस आधार पर है और वक्फ बोर्ड की संपत्ति का मौद्रिक मूल्य क्या है? वक्फ बोर्ड की संपत्तियों की समीक्षा की जायेगी। विभिन्न क्षेत्रों में वक्फ

बोर्ड की जमीन की जांच की जायेगी। उन्होंने आगे कहा, 'प्रशासन द्वारा समीक्षा की जाएगी, फिर समीक्षा के बाद मौद्रिक मूल्य, स्वामित्व का आधार, भूमि का स्रोत और अधिग्रहण की प्रक्रिया सहित संपत्ति के हर पहलू की जांच की जाएगी।' उन्होंने कहा, 'वक्फ बोर्ड सरकारी जमीन का अधिग्रहण कैसे करता है, उन्हें जमीन किसने दी, इन बातों की जांच होनी चाहिए।' उन्होंने कहा कि यदि किसी संपत्ति का एक निश्चित मौद्रिक मूल्य है तो उसका भुगतान वक्फ बोर्ड द्वारा किया जाना चाहिए, वर्तमान में वक्फ बोर्ड ने बिना कुछ भुगतान किए सरकारी संपत्तियों का अधिग्रहण कर लिया है। संपत्ति की समीक्षा जिलाधिकारी द्वारा की जायेगी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस कदम का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा केवल मुसलमानों के अधिकार छीनना चाहती है।

‘निराश मत होइए...’ विनेश फोगाट को अयोग्य घोषित किए जाने पर सीएम योगी का रिएक्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल से पहले वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दी गईं भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की हौसलाअफजाई करते हुए बुधवार को कहा कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है और वह जल्द ही पहले से ज्यादा मजबूत होकर मैदान में वापसी करेंगी। सीएम योगी ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा, ‘‘विनेश फोगाट जी, आप सभी भारत वासियों के लिए गौरव हैं, विजेता हैं, चौंपियन हैं। निराश मत होइए... पेरिस ओलंपिक–२०२४ में आपके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने विश्व पटल पर मां भारती को स्वर्णिम आभा से दीप्त किया है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास

है कि आप जल्द ही पहले से अधिक मजबूत होकर मैदान में वापसी करेंगी। पूरा देश आपके साथ खड़ा है।’’ ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर इतिहास रचने वाली विनेश फोगाट को महिलाओं की ५० किलो भार वर्ग कुश्ती स्पर्धा के फाइनल से पहले वजन अधिक पाए जाने के कारण बुधवार को ओलंपिक के अयोग्य घोषित कर दिया गया। उन्हें आज देर रात स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलना था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विनेश को हौसला देते हुए कहा कि वह भारत का गौरव हैं और उन्हें मजबूती से वापसी करनी है। उन्होंने ‘एक्स’ पर लिखा, ‘‘विनेश आप चौंपियनों में चौंपियन हो। आप भारत का गौरव हो और हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत हो।’’

फोगाट को डिसक्वालीफाई किए जाने की ‘गहरी जांच–पड़ताल हो और सच्चाई पता चले’ : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक के फाइनल से पहले वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दिए जाने की ‘गहरी जांच–पड़ताल’ कराए जाने की मांग की है। अखिलेश ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा, ‘‘विनेश फोगाट के फाइनल में न खेल पाने के तकनीकी कारणों की गहरी जांच–पड़ताल हो और सुनिश्चित किया जाए कि सच्चाई क्या है और इसके पीछे की असली वजह क्या है।’’ एक स्तब्ध कर देने वाले घटनाक्रम में विनेश को महिलाओं की ५० किलो कुश्ती

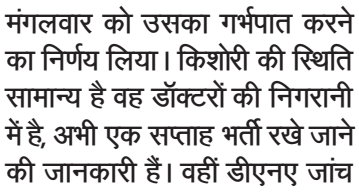

स्पर्धा के फाइनल से पहले वजन अधिक पाए जाने के कारण बुधवार को ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश ने ओलंपिक के फाइनल मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर इतिहास रचा था। उन्हें बुधवार देर रात स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलना था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विनेश को हौसला देते हुए कहा कि वह भारत का गौरव हैं और उन्हें मजबूती से वापसी करनी है। उन्होंने ‘एक्स’ पर लिखा, ‘‘विनेश आप चौम्पियनों में चौम्पियन हो। आप भारत का गौरव हो और हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत हो।’’

पति की पिटाई से गर्भ में बच्चे की मौत, प्राथमिकी दर्ज

ठाकुरगंजध् लखनऊ। ठाकुरगंज थाने में एक महिला ने ससुराल पक्ष वालों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कार्रवाई किए जाने की मांग की है। महिला का आरोप है कि शौहर अतिरिक्त रुपयों की मांग को लेकर उसे शारीरिक और मानसिक रुप से प्रताड़ित करता था। विरोध करने पर शौहर ने उसकी पिटाई कर दी, जिससे गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। फिलहाल, पुलिस कई पहलुओं में मामले की जांच में जुटी है। ठाकुरगंज थाना अंतर्गत तहसीनगंज निवासी खुशनूमा का निकाह वर्ष २०२३ में रोशनाबाद क लोनी अहिरनखेड़ा के रहने वाले गुफरान अंसारी से हुआ था। लिखित शिकायत में पीड़िता ने बताया कि निकाह में मायके वालों ने करीब १० लाख रुपये खर्च किए थे। बावजूद इसके ससुराल में शौहर गुफरान अपने परिवारिक

सदस्यों के साथ मिलकर कम दहेज मिलने का ताना देकर उसे प्रताड़ित करता था। आरोप है कि शौहर मायके से ५० हजार रुपये मांगकर लाने का दबाव बनाता था, लेकिन मायके वालों की आर्थिक स्थिति ठीक न होने पर उसने रुपये लाने से इंकार कर दिया। महिला ने बताया कि पिता चांद बाबू ने शौहर को दहेज में नगदी और बाइक दी थी, लेकिन शौहर ने बाइक को बेच नगदी हड़प ली थी। गर्भावस्था में दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाने लगा, इससे उसकी तबियत बिगड़ने लगी। इसी बीच शौहर गुफरान ने उसकी पिटाई कर दी, आनन–फानन महिला को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां मेडिकल रिपोर्ट में इस बात पुष्टि हुई कि पिटाई से गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक श्रीकांत राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच में मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस कार्रवाई करेगी।

अयोध्या की सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता का कराया गया सुरक्षित गर्भपात

लखनऊ। केजीएमयू के स्त्री व प्रसूति रोग विभाग क्वीनमेरी में भर्ती अयोध्या में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार हुई किशोरी का मंगलवार को सुरक्षित गर्भपात करा दिया गया। हालांकि, संस्थान प्रशासन ने गर्भपात संबंधित अपना आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। पीड़िता की हालत स्थिर बनी हुई है। अयोध्या से स्वास्थ्य विभाग की टीम और पुलिसकर्मियों ने पीड़िता को कड़ी सुरक्षा के साथ सोमवार को क्वीनमेरी में भर्ती कराया था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़िता की सभी जांचे करने के बाद डॉक्टरों ने मंगलवार को उसका गर्भपात करने का निर्णय लिया। किशोरी की स्थिति सामान्य है वह डॉक्टरों की निगरानी में है, अभी एक सप्ताह भर्ती रखे जाने की जानकारी हैं। वहीं डीएनए जांच के लिए भी सैंपल लिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद किशोरी को डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह ने गर्भपात संबंधित जानकारी देने से इनकार करते हुए बताया कि किशोरी की स्थिति स्थिर है। केजीएमयू अपने सभी रोगियों की गोपनीयता का सम्मान करता है। इस संबंध में केजीएमयू का यही अधिकारिक कथन है।

समाजवादियों को बदनाम करना चाह रही भाजपा : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को अयोध्या सामूहिक बलात्कार मामले में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर साजिश का आरोप लगाया। अयोध्या सामूहिक बलात्कार मामले पर बोलते हुए, अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा चुनाव से पहले एक साजिश शुरू करना चाहती है। उनका लक्ष्य पहले दिन से ही समाजवादियों को बदनाम करना रहा है और खासकर मुसलमानों के बारे में उनकी सोच अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आलोचना करते हुए यादव ने कहा, ‘यदि कोई ‘योगी’ लोकतंत्र और संविधान में विश्वास नहीं करता है, तो वह ‘योगी’ नहीं हो सकता।’ सपा नेता ने आगे कहा कि मैं आपको तीन घटनाओं का उदाहरण देना चाहता हूं। पहली घटना हाथरस की है जिसमें बीजेपी विधायकों और नेताओं ने एक साधु के कार्यक्रम की अनुमति के लिए पत्र लिखा था। लेकिन प्रशासन ने ठीक से इंतजाम नहीं किये और नतीजा यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गयी। दूसरी बात, आपने गोमती नगर में देखा होगा, पुलिस ने पूरी लिस्ट दी थी लेकिन बीजेपी के सीएम और सरकार चाहती है कि पुलिस बीजेपी की कार्यकर्ता बन जाए। जब पुलिस ने सभी नामों की सूची दी तो सीएम ने सिर्फ यादवों और मुसलमानों के नाम ही क्यों लिए? पूर्व सीएम ने आगे कहा कि जिस यादव का नाम लिया गया था, सुनने में आ रहा है कि वह कैमरे के फुटेज में था ही नहीं। वह चाय पीने गये थे और पुलिस को एक यादव मिल गया, इसलिए उन्हें जेल भेज दिया गया। मैं आपको बताना चाहता हूं कि ऐसे लोग जो कानून का उल्लंघन कर रहे हैं और भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे हैं, जब भी (सपा) सरकार आएगी तो ऐसे अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। और तीसरा उदाहरण अयोध्या का है। उन्होंने कहा कि यह उनका (यूपी सरकार) २०२३

का संशोधित कानून है जिसमें कहा गया है कि अगर किसी के लिए ७ साल से ज्यादा की सजा का प्रावधान है तो डीएनए टेस्ट कराया जाना चाहिए, तो इस मांग में क्या गलत है और उनके परिवार के सदस्य भी हैं कह रहे हैं और पुलिस सच जानती है। वे कितना भी कुछ कर लें, जनता को उनसे कोई उम्मीद नहीं है। अयोध्या में १२ साल की एक लड़की के साथ दो लोगों ने कथित तौर पर बलात्कार किया। घटना के बाद हुई कार्रवाई में, मामले की जांच में देरी के लिए उत्तर प्रदेश के दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। विशेष रूप से, बेकरी मालिक मोइद खान और उसके कर्मचारी राजू खान को मामले के सिलसिले में ३० जुलाई को पूराकलंदर इलाके से गिरफ्तार किया गया था।

मुख्यमंत्री आवास के पास प्रेमी युगल की अश्लील हरकतें, चलती कार की रूफ पर रोमांस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को अदब और तहजीब का शहर कहा जाता है। लेकिन आज कल इस तहजीब के शहर से ऐसी तस्वीरें सामने आती है। जिससे लखनऊ अपनी पुरानी पहचान को खोते हुए दिख रहा है। है। काले रंग की कार है जो लोहिया पथ पर १०६० की ओर से मुख्यमंत्री आवास की ओर जाती हुई नजर आती है। फिर मुख्यमंत्री आवास चौराहे से घूमते हुए वापस १०६० की ओर जाती हुई नजर आई। वायरल वीडियो में दिखाई गई कार

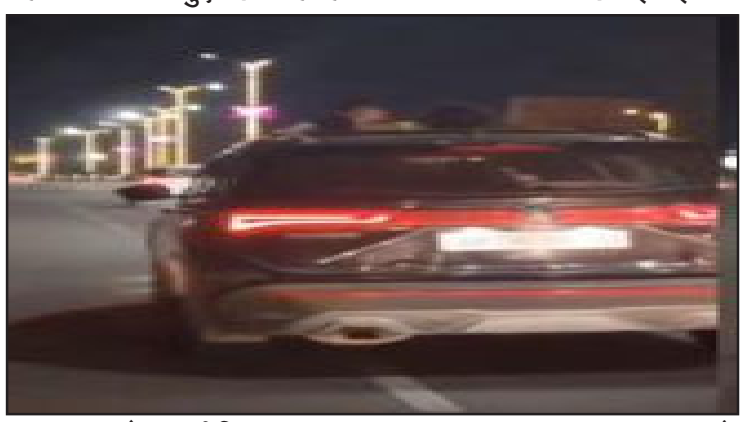

दरअसल, सोशल मीडिया पर एक प्रेमी युगल का अश्लील हरकते करते हुए वीडियो खूब तेजी से वायरल हो रहा है। ये वीडियो इसी तहजीब की नगरी लखनऊ के मुख्यमंत्री आवास चौराहे के पास की है। वीडियो में एक प्रेमी युगल रात में सरेराह कार की रूफ पर अश्लील हरकते हुए नजर आ रहा का नंबर UP ७८ GB ०१३० है, जो चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो देखकर माना जा सकता है कि इस प्रेमी युगल को लखनऊ पुलिस से कोई भी डर नहीं है। इसीलिए बेखौफ चलती कार की रूफ पर अश्लील हरकतें कर रहे हैं। फिलहाल इस मामले को लेकर लखनऊ पुलिस जांच में जुटी है।

नदियों में प्लास्टिक कचरे का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने मांगा भारत सरकार से जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जल निकायों में प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थों की अनियंत्रित डंपिंग पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, चेतावनी दी है कि यह प्रदूषण महत्वपूर्ण पर्यावरणीय गिरावट का कारण बन रहा है और जलीय जीवन को नुकसान पहुंचा रहा है। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि अधिकारियों के एकींत प्रयास और जनता के सहयोग के बिना, अवैध निर्माणों को संबोधित करने और गंगा सहित नदियों में पानी की गुणवत्ता में सुधार करने का कोई भी प्रयास 'भ्रम' बना रहेगा। पीठ ने अपने २ अगस्त के आदेश में कहा कि प्लास्टिक के डंपिंग से गंभीर पर्यावरणीय क्षति हो रही है और देश में नदी तटों और जल निकायों में जलीय जीवन पर भी असर पड़ रहा है। जब तक जिम्मेदार

अधिकारियों द्वारा लोगों के सहयोग से ठोस प्रयास नहीं किया जाता, अवैध/अनधिंत निर्माणों को निशाना बनाने के प्रयासों के बावजूद, देश में गंगा नदी/अन्य सभी नदियों और जल निकायों में पानी की गुणवत्ता में वांछित सुधार भ्रम ही रहेगा। अदालत ने भारत सरकार और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की ओर से पेश अतिरिक्त स लिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी को आदेश में उल्लिखित पर्यावरणीय चिंताओं को संबोधित करते हुए एक हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया। अदालत ने वकील अजमत हयात अमानुल्लाह के माध्यम से प्रतिनिधित्व कर रहे बिहार को उसी समय सीमा के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें पटना और उसके आसपास गंगा के किनारे अनधिकृत निर्माणों को संबोधित करने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण दिया गया हो।

अतुलनीय छटा बिखेरती भोलेनाथ की काशी, श्रद्धालुओं को बाबा के दिव्य रूप के होंगे दर्शन

वाराणसी। काशी में विराजमान बाबा विश्वनाथ के प्रिय सावन मास का आगाज हो गया है। सोमवार से ही सावन मास के प्रारंभ से शिव भक्तों और कावड़ियों का उत्साह देखते ही बनता है। काशी की हर गली और सड़क भोलेनाथ की आस्था में हिलोरे ले रही है। कल–कल बहती माँ गंगा इस शोभा को चार चाँद लगा रही है। बाबा की नगरी काशी कांवरियों समेत भक्तों से पट गई। शहर के सभी प्रवेश मार्गों पर हर ओर कांवरियों का रेला 'बोल बम' का उद्घोष करते विश्वनाथ धाम की ओर अनवरत बढ़ता ही जा रहा है। गंगा में डुबकी और पात्र में गंगाजल लिये कतारबद्ध भक्त अद्भुत नजारा पेश कर रहे हैं। बैरिकेडिंग में खड़े–बैठे हर महादेव के उद्घोष से श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र और आसपास का एरिया गुंज रहा है। भोर के साथ ही भक्तों के कतार का दायरा बढ़ता जा रहा है। भोर में मंगला आरती के बाद मंदिर के पट खुलें और भक्त बाबा से जा

मिलें। इसके साथ ही बाबा का शिव रूप में श्रृंगार किया गया। बाबा के दर्शन का क्रम ऐसे ही सावन भर चलेगा। इसी के साथ श्रद्धालुओं को गौरी दर्शन भी करने का सौभाग्य मिलेगा। बहरहाल, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सिर्फ झांकी दर्शन होगा। गर्भगृह के द्वार पर लगे पात्र से ही जलाभिषेक किया जाएगा। सोमवार की परंपरानुसार यादव बंधुओं का समूह जल पूरित कलश से काशी विश्वनाथ समेत नौ शिवालयों में बाबा का गंगाभिषेक हुआ। इसके लिए परंपरागत रूप से गौरी केदारेश्वर मंदिर से जलाभिषेक यात्रा निकाली भी निकली गई थी। सावन को लेकर पूरी काशी शिवमय हो उठी है। काशी के विद्वानों के अनुसार सावन का समापन १६ अगस्त सोमवार को होगा। इस बीच पांच सोमवार पड़ेंगे। हर सोमवार काशी विश्वनाथ धाम में बाबा का अलग–अलग रूप में श्रृंगार किया जाएगा। अबकी बाबा की चल प्रतिमा का शिव रूप में श्रृंगार झांकी सजेगी। सायंकाल भोग श्रृंगार आरती के समय श्रद्धालुओं को बाबा के दिव्य रूप के दर्शन होंगे।

कक्षा ३ और ६ की किताबों से हटाई गई संविधान की प्रस्तावना! एनसीईआरटी ने आरोपों को किया खरिज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, एनसीईआरटी पर आरोप लगाया है कि उसने संविधान की प्रस्तावना को इस वर्ष कक्षा ३ और कक्षा ६ की कई पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया था। हालांकि, एनसीईआरटी इन आरोपों को खरिज किया है। इस बात पर जोर देते हुए कि संगठन अब एक नए शैक्षिक दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्य, मौलिक अधिकार और राष्ट्रगान सहित भारतीय संविधान के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, एनसीईआरटी ने स्पष्ट किया कि इन दावों में ठोस आधार का अभाव है। बयान में कहा गया है कि पहली बार, एनसीईआरटी भारतीय संविधान के विभिन्न पहलुओं– प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्य, मौलिक अधिकार और राष्ट्रगान को बहुत महत्व दे रहा है। इसमें कहा गया है कि इन सभी को विभिन्न चरणों की पाठ्यपुस्तकों में रखा जा रहा है। यह समझ कि केवल प्रस्तावना ही संविधान और संवैधानिक मूल्यों को प्रतिबिंबित करती है, त्रुटिपूर्ण और संकीर्ण है। बच्चों को प्रस्तावना सहित मौलिक कर्तव्य, मौलिक अधिकार और राष्ट्रगान से संवैधानिक मूल्य क्यों नहीं प्राप्त होने चाहिए? हम एनईपी–२०२० के दृष्टिकोण का पालन करते हुए बच्चों के समग्र विकास के लिए इन सभी को समान महत्व देते हैं। ऐतिहासिक रूप से, प्रस्तावना कक्षा VI की कई पाठ्यपुस्तकों के शुरुआती पन्नों में दिखाई दी, जिनमें 'दूर्वा' (हिंदी), 'हनी सकल' (अंग्रेजी), और विभिन्न ईवीएस पुस्तकें शामिल हैं। हालाँकि, नई अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक 'पूर्वी' और संस्कृत पाठ 'दीपकम' में अब राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत तो हैं लेकिन प्रस्तावना नहीं। पिछली संस्कृत पुस्तक 'रुचिरा' में भी प्रस्तावना शामिल नहीं थी। इन चिंताओं के जवाब में, एनसीईआरटी ने इस बात पर जोर दिया कि इसकी शैक्षिक सामग्री संवैधानिक मूल्यों की एक अच्छी तरह से समझ प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है।

शेख हसीना को हटाना मकसद, हिंदुओं को बनाया गया निशाना, संसद में जयशंकर ने बांग्लादेश की स्थिति पर कहा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना ने दक्षिण एशियाई राष्ट्र में राजनीतिक उथल–पुथल के मद्देनजर बहुत ही कम समय के नोटिस पर फिलहाल भारत आने की मंजूरी का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि हमारी समझ यह है कि सुरक्षा प्रतिष्ठानों के नेताओं के साथ बैठक के बाद, प्रधान मंत्री शेख हसीना ने स्पष्ट रूप से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। बहुत ही कम समय के नोटिस पर, उन्होंने फिलहाल भारत आने की मंजूरी का अनुरोध किया। वह कल शाम दिल्ली पहुंचीं। बांग्लादेश की स्थिति पर बोलते हुए, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि हमारी समझ यह है कि सुरक्षा प्रतिष्ठानों के नेताओं के साथ बैठक के बाद, पीएम शेख हसीना ने स्पष्ट रूप से इस्तीफा देने का फैसला किया। बहुत ही कम समय में, उसने अनुमोदन का अनुरोध किया। जयशंकर ने यह भी कहा कि गाजियाबाद में हिंडन एयरबेस पर उनके आगमन से पहले, 'हमें एक साथ बांग्लादेश में अधिकारियों से उड़ान मंजूरी का अनुरोध प्राप्त हुआ था। सरकार ने राज्यसभा को बताया कि भारत बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के मामले में स्थिति पर नजर रख रहा है और अपने राजनयिक मिशनों के जरिए वहां के भारतीय समुदाय के साथ निकट और निरंतर संपर्क में है। उच्च सदन में दिए गए एक बयान

में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बहुत कम समय के नोटिस पर फिलहाल भारत आने के अनुरोध के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत ने पड़ोसी देश में इस जटिल और अभी भी लगातार अस्थिर बने हुए हालात को देखते हुए अपने सीमा सुरक्षा बलों को अत्यधिक सतर्क रहने का निर्देश दिया है। जयशंकर ने उच्च सदन को बताया, अनुमान है कि पड़ोसी देश में १६,००० भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से लगभग ६,००० छात्र हैं। हालाँकि, ज्यादातर छात्र जुलाई के महीने में ही भारत लौट आए।

प्रधानमंत्री और देश के खिलाफ माहौल बनाना चाहती है कांग्रेस : निशिकांत दुबे

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए उस पर अपने कार्यकाल के दौरान डीबीटी यानी डालमिया, बिड़ला और टाटा जैसे कुछ व्यापारिक समूहों का पक्ष लेने का आरोप लगाया। उन्होंने बजाज को भी इस सूची में शामिल किया और इसे डीबीबीटी योजना का नाम दिया। दुबे की टिप्पणी विपक्ष के आरोपों के जवाब में की गई थी कि वर्तमान सरकार अरबपति गौतम अडानी और मुकेश अंबानी के नेतृत्व

वाली कंपनियों का समर्थन करती है। दुबे ने लोकसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि कांग्रेस के समय धनशोधन विरोधी कानून तथा आयकर से जुड़े कानूनों को सख्त किया गया था, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में ईमानदारी से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो भी भ्रष्टाचारी होगा, वो जेल जाएगा। दुबे ने कहा कि आज जब अन्य देशों का आकलन करेंगे तो पता चलेगा कि आज भी भारत दुनिया के लिए आशा की किरण है क्योंकि यहां विकास दर सात प्रतिशत है। दुबे ने कुछ राजनेताओं के व्यवहार में स्पष्ट विरोधाभास की ओर भी इशारा किया। उन्होंने उल्लेख किया कि अडानी और अंबानी की आलोचना करने वाले कई लोग अनंत अंबानी की शादी में मौजूद थे, लेकिन अब संसद में उनके विरोध में मुखर हैं, जहां उद्योगपति अपना बचाव नहीं कर सकते। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बजट को लेकर अराजकता फैला रहे हैं तथा उस पद का क्या हाल कर रहे हैं जिस पर बाबू जगजीवन राम, अटल बिहारी वाजपेयी, वाईवी चव्हाण और शरद पवार जैसे लोग आसीन रह चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ओबीसी आरक्षण के खिलाफ है और उसने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में किसी पिछड़े को मुख्यमंत्री नहीं बनाया। दुबे ने कहा, ''आज देश के प्रधानमंत्री पिछड़े वर्ग से हैं, अगर वह ओबीसी की सुरक्षा की बात करते हैं तो आप (कांग्रेस) ओबीसी–ओबीसी करने लगते हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुस्लिम और ईसाई समुदाय को पीछे के रास्ते से आरक्षण देना चाहती है। भाजपा सांसद का कहना था कि इस बजट में 'एजेंल टैक्स' खत्म किया गया ताकि युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिलें। उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस देश को बदनाम करना चाहती है। वह चाहती है कि प्रधानमंत्री मोदी और देश के खिलाफ माहौल बने। लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।''

एस जयशंकर ने बांग्लादेश संकट पर सर्वदलीय बैठक को संबोधित किया, भारत विरोधी भावना से लेकर निकासी तक, सारी जानकारी दी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि हिंसा प्रभावित देश बांग्लादेश में स्थिति इतनी भयावह नहीं है कि १२,०००–१३,००० भारतीयों को निकालने की जरूरत पड़े। संसद में सर्वदलीय बैठक को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि सरकार शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के सरकार विरोधी प्रदर्शनों के कारण गिरने के बाद बांग्लादेश में स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है, जिसमें ३०० से अधिक लोग मारे गए हैं। बैठक में एनडीए के सभी सहयोगी और दोनों सदनों में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे समेत अधिकांश विपक्षी दलों ने हिस्सा लिया। हालांकि, आप ने दावा किया कि उसे बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया था। मंत्री ने कहा कि सरकारी नौकरियों के लिए विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर करीब ८,००० भारतीय, जिनमें ज्यादातर छात्र हैं, भारत लौट आए हैं। जयशंकर ने कहा कि सरकार ने हसीना के साथ संक्षिप्त चर्चा की, जिन्होंने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और भारत भाग गईं। सूत्रों ने जयशंकर के हवाले से कहा, 'सरकार हसीना को अपनी भविष्य की योजना तय करने के

लिए कुछ समय देना चाहती है।' कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि एक मध्यम और दीर्घकालिक रणनीति होनी चाहिए, जिसमें चुनाव होने तक बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का शासन होना तय है। छात्र प्रदर्शनकारियों ने नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मोहम्मद यूनुस को सरकार का मुख्य सलाहकार बनाने की मांग की है। इस पर जयशंकर ने कहा कि स्थिति 'तरल और विकासशील' है। बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना के बारे में जयशंकर ने कहा, 'यह कुछ जगहों पर देखा गया है, लेकिन जो भी सरकार आएगी, वह भारत के साथ व्यवहार करेगी।' इस साल की शुरुआत में शेख हसीना के लगातार चौथे कार्यकाल को हासिल करने के बाद, बांग्लादेश में श्भारत बाहर करो' अभियान ने जोर पकड़ लिया, जिसमें कार्यकर्ताओं के एक वर्ग ने भारत पर अपने पड़ोसी की राजनीति में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। बैठक के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, ष्बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, उसका असर भारत पर भी पड़ेगा। बांग्लादेश हमारा सीमावर्ती देश है... अगर बांग्लादेश में अराजकता होती है तो यह भारत के लिए अच्छा नहीं होगा। सरकार को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वहां मौजूद भारतीयों को कैसे वापस लाया जा सकता है और सीमाओं को कैसे सुरक्षित किया जा सकता है।'

आपराधिक कानूनों के लिए अमित शाह ने ४ नए एप्लिकेशन किए लॉन्च, जानें कैसे करेंगे काम

नई दिल्ली। देश के तीन नए आपराधिक कानूनों को सुचारू रूप से लागू करने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा चार ऐप–ई–साक्ष्य, न्याय सेतु, न्याय श्रुति और ई–समन जारी किए गए। ४ अगस्त, २०२४ को अमित शाह ने चंडीगढ़ के एक कार्यक्रम के दौरान एप्लिकेशन पेश किए। वहां पंजाब के राज्यपाल, चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया और केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला भी थे। कार्यक्रम में बोलते हुए, अमित शाह ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों के पूरी तरह से लागू होने के तीन साल के भीतर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ सकता है। ई–साक्ष्य, सभी गवाही, वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी ई–साक्ष्य सर्वर पर सहेजी जाएगी। यह वास्तविक समय के आधार पर सभी अदालतों के लिए उपलब्ध होगा। ई–समन ऐप से अदालतें पुलिस स्टेशनों और संबंधित व्यक्ति, जिसे समन भेजा जाना है, को इलेक्ट्र निक रूप से समन भेजेगी। न्याय सेतु डैशबोर्ड पुलिस, चिकित्सा, फोरेंसिक, अभियोजन और जेल अधिकारियों को जोड़ेगा। यह पुलिस को वास्तविक समय के आधार पर जांच से संबंधित सभी जानकारी प्रदान करेगा। न्याय श्रुति ऐप अदालत को वीडियोकांफ्रेंसिंग के माध्यम से गवाहों को सुनने में सक्षम बनाएगा। भारतीय दंड संहिता १८६० को भारतीय न्याय संहिता (२०२३) द्वारा प्रतिस्थापित

किया जाएगा, दंड प्रक्रिया संहिता (१९७३) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (२०२३) द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (१८७२) को प्रतिस्थापित किया जाएगा। भारतीय साक्ष्य अधिनियम (२०२३) द्वारा १ जुलाई, २०२४ से ये कानून देशभर में प्रभावी हैं। इन कानूनों के अनुसार, सात साल की अनिवार्य न्यूनतम सजा वाले आपराधिक मामलों में फोरेंसिक जांच की आवश्यकता होती है।

बांग्लादेश में हिंसा के बीच केंद्र सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक खत्म, शेख हसीना को लेकर स्थिति साफ नहीं

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा देकर देश छोड़ चुकी है। वो सोमवार की शाम ५रू३६ बजे दिल्ली के पास हिंडन एयरपोर्ट पर पहुंचीं। शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद ही पड़ोसी देश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने जनवरी २०२४ में चुनाव के बाद बनी संसद को भंग करने का ऐलान कर दिया। शेख हसीना कल से ही हिंडन एयरोपर्ट पर है। वहीं अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बांग्लादेश के संकट पर सर्वदलीय बैठक हो रही है। इससे पहले कैबिनेट कमेटी अ न सिक्योरिटी की बैठक भी हो चुकी है। सर्वदलीय बैठक को लेकर भी सूत्रों ने अहम जानकारी दी है। सूत्रों की मानें तो संसद भवन में सुबह १० बजे से ये बैठक हो रही है। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना के अचानक इस्तीफा देने और देश छोड़कर जाने से वहां अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है। हसीना लंदन जाने की अपनी योजना के तहत सोमवार रात भारत पहुंचीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को इस मुद्दे पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक की अध्यक्षता की थी। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्घ्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू बैठक में मौजूद हैं. राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल भी बैठक में पहुंचे हैं. डीएमके के टीआर बालू, जेडीयू के लल्लन सिंह, एसपी के राम गोपाल यादव, टीएमसी के सुदीप बंद्योपाध्याय, राजद की मीसा भारती, एसएस (यूबीटी) के अरविंद सावंत, बीजेडी के सस्मित पात्रा, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले, टीडीपी के राम मोहन नायडू भी हिस्सा ले रहे है। इस सर्वदलीय बैठक में हिस्सा ले रहे नेताओं को विदेश मंत्री एस जयशंकर ब्रीफ कर रहे है। बांग्लादेश में आई राजनीतिक संकट को देखते हुए हलचल दिल्ली में भी बढ़ गई है। केंद्र सरकार इस बैठक में आगामी रणनीति तय करने के लिए सर्वदलीय बैठक कर रही है। इस बैठक में सभी दलों ने अपनी सहमति जताई है। इस बैठक के बाद भी अब तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि शेख हसीना भारत में ही रहेंगी या वो किसी अन्य मुल्क में शरण लेंगी।

स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर जीएसटी के खिलाफ इंडिया ब्लॉक का प्रदर्शन, बताया टैक्स टेररिज्म

नई दिल्ली। इंडिया ब्लॉक पार्टियों ने जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को वापस लेने की मांग को लेकर मंगलवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। वर्तमान में, केंद्र सरकार जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर १८ प्रतिशत जीएसटी लगाती है। टीएमसी, कांग्रेस, आप और एनसीपी (एससी) जैसे विभिन्न दलों के सांसद (सांसद) संसद के मकर द्वार की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन कर रहे सांसदों ने हाथों में ष्कर आतंकवादष् लिखी तख्तियां पकड़ रखी थीं और अपनी मांग पर जोर देने के लिए नारे लगाए। इससे पहले, टीएमसी सांसदों ने इस मुद्दे को संसद में उठाया और पार्टी अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मामले पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा। दिलचस्प बात यह है कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर १८ प्रतिशत जीएसटी वापस लेने का अनुरोध किया था। वित्त मंत्री को लिखे अपने पत्र में, गडकरी ने नागपुर डिवीजन जीवन बीमा निगम कर्मचारी संघ की चिंताओं को उठाया, जिसने उन्हें बीमा उद्योग के मुद्दों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन का हवाला देते हुए मंत्री ने कहा जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने के समान है। संघ का मानना घ्ह्है कि जो व्यक्ति परिवार को सुरक्षा देने के लिए जीवन की अनिश्चितताओं के जोखिम को कवर करता है, उस पर इस जोखिम के खिलाफ कवर खरीदने के लिए प्रीमियम पर कर नहीं लगाया जाना चाहिए।

'ये आप लोगों ने नया ड्रामा शुरू किया', अमिताभ का नाम जुड़ने पर फिर भड़कीं जया बच्चन, खट्टर से कर दी अजीब डिमांड

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन उस समय नाराज हो गईं जब राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें फिर से उनके पूरे आधिकारिक नाम–जया अमिताभ बच्चन– से बुलाया और यहां तक घ्घ्सुझाव दिया कि इसी तर्क से पुरुष सदस्यों की पत्नियों का नाम भी उनके नाम के साथ जोड़ा

जाना चाहिए। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान धनखड़ ने घोषणा की कि जया अमिताभ बच्चन अपना पूरक प्रश्न शहरी एवं आवास विकास मंत्री मनोहर लाल से पूछेंगी। ऐसा पहले भी कुछ बार हुआ था जब धनखड़ और उप सभापति हरिवंश ने उन्हें उनके आधिकारिक नाम से बुलाया था। बच्चन राज्यसभा सदस्य के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में हैं और इस सत्र से पहले सभापति ने उन्हें कभी भी उनके पूरे नाम से नहीं बुलाया। धनखड़ ने कुछ दिन पहले सुझाव दिया था कि बच्चन निर्धारित नियमों का पालन कर सकते हैं और अपने नाम में अपेक्षित बदलाव कर सकते हैं। जब सोमवार को उनका पूरा नाम दोबारा पुकारा गया तो बच्चन ने जवाब दिया, 'ये आप लोगों ने नया ड्रामा शुरू किया है।' उन्होंने कहा कि वह इस प्रथा के खिलाफ नहीं हैं लेकिन ऐसा करना 'गलत' है क्योंकि पुरुषों के लिए ऐसा नहीं किया जाता है जहां उनके नाम के साथ उनके जीवनसाथी का नाम नहीं लिखा जाता है। बात आगे बढ़ती रही तो बच्चन ने कहा, 'इनके (लाल) नाम के उम्र इनकी पत्नी का नाम भी लगा दीजिए।' सिंगल हरियाणा के पूर्व सीएम, जवाब दिया– 'इसके लिए मुझे दूसरा जन्म लेना होगा।' धनखड़ ने अपनी बात जोड़ते हुए कहा कि वह अक्सर अपना परिचय श्री सुदेश के रूप में देते हैं। जब बच्चन को उनकी बात समझ नहीं आई तो उपराष्ट्रपति ने समझाया, 'यह मेरी पत्नी का नाम है।' बच्चन ने अफसोस के साथ जवाब दिया कि उन्हें उनकी पत्नी का नाम नहीं पता था और उन्होंने गुड़गांव में जल जमाव पर उनसे पूरक प्रश्न पूछना शुरू कर दिया।

सरकार जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख के लोगों को विश्वास दिलाया कि केंद्र सरकार उनके लिए काम करती रहेगी और आने वाले समय में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि देश की संसद द्वारा पांच साल पहले आज ही के दिन संविधान के अनुच्छेद ३७० और ३५ (ए) को निरस्त कर दिया गया था जो हमारे देश के इतिहास में एक 'ऐतिहासिक क्षण' था। उन्होंने कहा, ''यह जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख में प्रगति और समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत थी। इसका मतलब था कि भारत के संविधान को इन

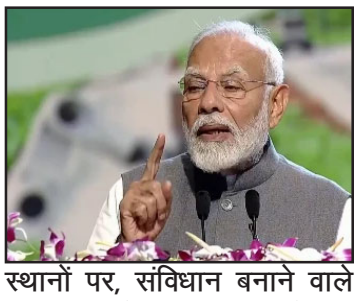

स्थानों पर, संविधान बनाने वाले महान पुरुषों और महिलाओं की दृष्टि के अनुरूप अक्षरशः लागू किया गया।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद ३७० को निरस्त करने के साथ ही उन महिलाओं, युवाओं, पिछड़ों, आदिवासियों और हाशिए के समुदायों को सुरक्षा, गरिमा और अवसर मिला जो विकास के लाभ से वंचित थे। उन्होंने कहा कि साथ ही इसने यह सुनिश्चित किया कि जम्मू एवं कश्मीर को भ्रष्टाचार से दूर किया जाए जिसने दशकों से इस पूर्ववर्ती प्रदेश को त्रस्त कर रखा था। उन्होंने कहा, ''मैं जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि हमारी सरकार उनके लिए काम करती रहेगी और आने वाले समय में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगी।

मुद्रा ऋण पर सार्वजनिक बैंकों का एनपीए २०२२-२३ में घटकर ३.४ प्रतिशत हुआ : सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि वित्त वर्ष २०२३–२४ में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की मुद्रा

ऋण श्रेणी से जुड़ी गैर–निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर ३.४ प्रतिशत रह गयी है। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा में एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि यह २०२०–२१ में ४.७७ प्रतिशत, २०१९–२० में ४.८९ प्रतिशत और २०१८–१९ में ३.७९ प्रतिशत रहा। सीतारमण ने मुद्रा ऋण से जुड़े एनपीए के संबंध में सवालों को जवाब दिया। वित्त मंत्री ने सदन को बताया कि वित्त वर्ष २०२३–२४ में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का मुद्रा लोन पर एनपीए घटकर ३.४ फीसदी हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि निजी क्षेत्र के वाणिज्यिक बैंकों में मुद्रा ऋण एनपीए २०२०–२१ में १.७७ प्रतिशत के उच्चतम स्तर और २०१८–१९ में ०.६७ प्रतिशत से गिरकर २०२३–२४ में ०.९५ प्रतिशत हो गया। मुद्रा ऋण की ब्याज दरों के बारे में सीतारमण ने कहा कि वे विभिन्न बैंकिंग क्षेत्रों में भिन्न–भिन्न हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में ९.१५ प्रतिशत से १२.८० प्रतिशत के बीच दर है, जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों में यह ६.९६ प्रतिशत से २८ प्रतिशत तक है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर हाई अलर्ट, BSF जवानों की बढ़ाई गई संख्या, डीजी भी कोलकाता पहुंचे

नई दिल्ली। बांग्लादेश की स्थिति काफी उथल–पुथल दिखाई दे रही है। बांग्लादेश में हिंसा और प्रदर्शन का दौर देखा जा रहा है। इसी कड़ी में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की भी खबर है। साथ ही साथ दावा किया जा रहा है कि वह देश छोड़ चुकी हैं। वह आर्मी के हेलीकॉप्टर से किसी सुरक्षित जगह प्रस्थान कर चुकी हैं। बांग्लादेश भारत का पड़ोसी देश है। ऐसे में कहीं ना कहीं उसके यहां हो रहे प्रदर्शन पर भारत की निगाह रहने वाली है। साथ ही साथ भारत के पूर्वी हिस्से के लिए यह चिंता की बात है। यही कारण है कि बीएसएफ ने बांग्लादेश बॉर्डर पर अपनी अलर्ट बढ़ा दी है। इसके अलावा बॉर्डर पर जवानों की भी संख्या में वृद्धि की गई है। जानकारी जो सामने आ रही है उसके मुताबिक बांग्लादेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए बीएसएफ ने भारत–बांग्लादेश सीमा पर हाई

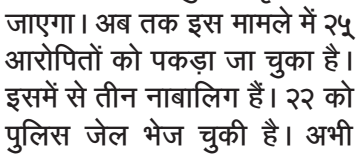

अलर्ट जारी किया है। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बीएसएफ डीजी भी कोलकाता पहुंच गए हैं। बांग्लादेश में कोटा सुधारों के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन में हिंसक झड़पों के कारण १०० से अधिक लोग मारे गए। देश की राजधानी ढाका सहित अन्य हिस्सों में सेना तैनात कर दी गई है। इसके साथ ही सूत्रों से खबर आ रही है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ढाका छोड़ दिया है। इसके साथ ही उनके सेना के विशेष हेलीकॉप्टर से भारत आने की भी खबर है। प्रदर्शनकारियों ने आज दोपहर करीब तीन बजे गोनो भवन के दरवाजे खोल दिए और प्रधानमंत्री आवास के परिसर में प्रवेश कर गए। जिसके बाद खबर आई कि प्रधान मंत्री शेख हसीना ने गोनो भवन को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। हजारों बांग्लादेशी प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को ढाका में प्रधान मंत्री शेख हसीना के महल पर धावा बोल दिया, जब एक सूत्र ने एएफपी को बताया कि वह अपने पद छोड़ने की मांग को लेकर हो रहे सामूहिक प्रदर्शनों से भाग गई थीं।

भावुक हुए प्रदर्शनकारी, बोले– 9 हजार में घर चला कर दिखाओ

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद के उच्च प्राथमिक विध्यालयों में कार्यरत अनुदेशकों ने मंगलवार को बेसिक शिक्षा निदेशालय का घेराव किया। अनुदेशकों का कहना है कि उन्हें अपनी रोजी–रोटी और मूलभूत सुविधाएं के लिए जद्दोजहद करना पड़ रहा है। अनुदेशकों का आरोप है कि भाजपा ने सत्ता में आने से पहले कई बड़े–बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता मिलते ही सब भूल गए। बता दें कि मई २०१७ में भाजपा ने एक ट्विट किया था, जिसमें लिखा था कि सरकार अनुदेशकों की सैलरी बढ़ाकर १७ हजार कर देगी, लेकिन इनका कहना है सैलरी बढ़ाने की जगह उनकी सैलरी से १४७० रुपए काट लिए गए। जिसके चलते उन्हें हर चीजों के लिए जद्दोजहद करना पड़ता है। अनुदेशकों का कहना है कि वे सरकार की तरफ से दिए गए हर काम को करते है । कार्यों की बात करें तो जनगणना, घर–घर जाकर छात्रों को लाना समेत तमाम काम शामिल हैं। कुल मिलाकर हम पर्मानेंट शिक्षकों की तरह काम को करते हैं। लेकिन हमे उनसे कम वेतन मिलता है। उनका आरोप है कि अगर दोनों बराबर काम कर रहे हैं तो उन्हें वेतन भी समान मिलना चाहिए। इतना ही नहीं महिला अनुदेशकों का कहना है कि न तो उन्हें कोई मेटरनिटी लीव मिलकी और न को मेडिकल सुविधाएं। अगर कुछ अवश्यक काम हो तो उन्हें अपनी सैलरी कटवाकर छुट्टी पर जाना पड़ता है। अनुदेशकों का कहना है कि उन्हें अपना घर चलाने के लिए भी सोचना पड़ता है। महंगाई इतनी है ऐसे में ६ हजार में क्या होता है। अमृत विचार के संवादाता ने अनुदेशकों से बात की तो उनकी आंखों में आशु आ गए। महिला शिक्षकों ने कहा कि कई बार उन्हें बीमारी में स्कूल आना पड़ता है क्योंकि उनके पास छुट्टी नहीं होती हैं, और अगर कोई प्रेग्नेंट है तो उसे मेटर्निटी लीव नहीं मिलती, क्योंकि वे अनुदेशक शिक्षक हैं। भारी संख्या मेंअनुदेशकों की मौजूदगी की वजह से प्रशासन को आगे आना पड़ा। मौजूदा अफसर अनुदेशकों को समझाने में लगे हुए थे। किसी न किसी तरह से वे घर चले जाए। शिक्षकों का कहना है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती हैं तब तक वे पीछे नहीं हटेंगे।

पुलिस के डर से रिश्तेदार के घर छिपा था गोमतीनगर हुड़दंग का मुख्य आरोपी, कानपुर से किया गया गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थति होटल ताज के सामने बीते दिनों बारिश दौरान हुई हुड़दंग और महिला संग छेड़छाड़ के मामले के मुख्य आरोपी को पुलिस ने कानपुर से गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी नाबालिग है। वह पुलिस के डर से कानपुर में अपने मौसी के घर छिपा हुआ था। कानपुर के एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर उसकी तस्वीर देखकर लखनऊ पुलिस को सूचना दी। इसके बाद आरोपी गिरफ्त में आया। बीते बुधवार को बारिश के समय होटल ताज के सामने सड़क पर जल भराव हो गया था। इस दौरान वहां कुछ लड़कों ने हुड़दंग शुरू कर दिया। उधर से गुजर रहे राहगीरों को बाइक से गिरा देते। उन पर पानी फेंकने लगते। इसी बीच एक युवक अपनी दोस्त से साथ जा रहा था। उसकी बाइक को धक्का देकर पानी में गिरा दिया। युवती के साथ छेड़छाड़ की। इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। मुख्यमंत्री की नाराजगी के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें लगाई गई थी। लेकिन इस हुड़दंग के मुख्य आरोपी को पिछले पांच दिनों में गिरफ्तार नहीं कर सकी। कानपुर के एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर उसकी तस्वीर देखकर पहचाना। इसके बाद

लखनऊ पुलिस को सूचना दी। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के मुताबिक मुख्य आरोपी नाबालिग है। उसे किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश कर बाल सुधार गृह भेजा जाएगा। अब तक इस मामले में २५ आरोपितों को पकड़ा जा चुका है। इसमें से तीन नाबालिग हैं। २२ को पुलिस जेल भेज चुकी है। अभी वीडियो फुटेज के आधार पर कई अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम दबिश दे रही है। एसीपी गोमती नगर विकास जायसवाल ने बताया कि, आरोपी इंदिरानगर का रहने वाला है और ११वीं कक्षा में पढ़ता है। बुधवार को जैसे ही हुड़दंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, वैसे ही आरोपी कानपुर के चमनगंज स्थित अपनी मौसी के घर भाग गया था। तभी से वह वहां छिपा हुआ बैठा था। पुलिस के मुताबिक, हुड़दंग के मेन आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच टीम गठित थी और पूरे लखनऊ में उसकी तलाश की जा रही थी। वह घर से बाहर नहीं निकल रहा था। ऐसे में उनकी शिनाख्त नहीं हो पा रही थी। कानपुर में होने की सूचना पर टीम वहां पहुंची तो आरोपी अपनी पहचान छिपाने के लिए बाल–दाढ़ी बनवाने सैलून गया था। सैलून से ही पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से सिपाही और दो गौ तस्कर घायल

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से एक सिपाही और दो गौ तस्कर घायल हो गए। तीनों को मेडिकल क लेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने सोमवार को बताया कि रविवार रात कटरा थाना क्षेत्र में कमलापुर नहर की पुलिया पर गोवंशीय पशु वध की सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा, तो गौ तस्करों ने उस पर गोलियां चलाईं। मीणा के अनुसार, मुठभेड़ में सिपाही तरुण सिरोही (२४) के कंधे में गोली लग गई, जबकि गौ तस्कर जफर कुरैशी (४०) और रहीम (५३) भी घायल हो गए। तीनों को मेडिकल क लेज में भर्ती कराया गया है। मीणा ने बताया कि घटनास्थल से भाग रहे गौ तस्कर आसिफ को पुलिस ने पकड़ लिया, लेकिन कुछ आरोपी मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से एक पशु और पशु वध का सामान बरामद किया है। मीणा के अनुसार, फरार गौ तस्करों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम बनाई गई है।

सावन के तीसरे सोमवार को मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर में किया रुद्राभिषेक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सावन माह के तीसरे सोमवार को गोरखपुर के मानसरोवर मंदिर में 'रुद्राभिषेक' और 'हवन' किया। राज्य के विभिन्न शहरों में विभिन्न क्षेत्रों के भक्तों ने भगवान शिव के मंदिरों में पूजा–अर्चना की। प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक किया। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने भगवान शिव की पूजा करते हुए राज्य के लोगों की सुख–समृद्धि की कामना की। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन और आरती के साथ समारोह का समापन किया और राज्य के लोगों के स्वस्थ, सुखी, समृद्ध और शांतिपूर्ण जीवन की प्रार्थना की। वाराणसी में, सावन के तीसरे सोमवार को सुबह से ही काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों की भीड़ रही। मंगल आरती के बाद भक्तों को काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने की अनुमति दी गई। प्रयागराज में मनकामेश्वर मंदिर सहित भगवान शिव के सभी मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। सोमवार को पूरी संगम नगरी भगवान शिव के रंग में रंग गई और मंदिरों की घंटियों की आवाज फिजा में गूंजती रही। भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिए भक्तों ने महादेव की पूजा की और उन्हें भांग, धतूरा, दूध, घी, पंचगव्य, पंचामृत, बेलपत्र, फूल, दही, चंदन, इत्र आदि अर्पित करके गंगा जल से अभिषेक किया। प्रयागराज स्थित राम नाम बैंक के संयोजक आशुतोष वार्ष्णेय ने सावन माह के महत्व के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, ''यह सावन का पवित्र महीना है। वैसे तो पूरा सावन माह भोलेनाथ की पूजा–अर्चना के लिए समर्पित होता है लेकिन शास्त्रों में सावन के सोमवार का बड़ा महत्व बताया गया है। सोमवार

को व्रत रखने और भगवान शिव के साथ माता गौरी की विधि–विधान से पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।'' भगवान राम की नगरी अयोध्या में जगह–जगह 'ओम नमः शिवाय', 'हर हर महादेव' के जयकारे गूंजते रहे और श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा–अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। सुबह से ही आस्था की लहर दिखाई दी और श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में स्नान कर भगवान राम के पुत्र कुश द्वारा स्थापित सिद्धपीठ नागेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक किया। भोर से ही दर्शन–पूजन शुरू हो गए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए गये। सरयू नदी में स्नान करने और नागेश्वरनाथ पर जलाभिषेक करने के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए राम की पैड़ी पर छोटे–छोटे अवरोधक लगाए गए और शिव भक्तों को छोटे–छोटे समूहों में जलाभिषेक के लिए जाने दिया जा रहा है। राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने सोमवार को 'पीटीआई वीडियो' को बताया, ''आज सावन का तीसरा सोमवार है। रामनगरी में बड़ी संख्या में भगवान शिव के भक्त जुटे हैं।'' उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी आभार जताया और कहा कि उन्होंने (आदित्यनाथ) कांवड़ यात्रा को बहुत सुगम बनाया है। जगह–जगह हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की जा रही है। दास ने कहा, ''अयोध्या में अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है और भगवान राम की सेना भगवान शिव का जयकारा लगाती नजर आ रही है।'' अयोध्या निवासी प्रज्ज्वल सिंह ने कहा, ''यह सुखद संयोग है कि सावन माह का एक सोमवार पांच अगस्त की प्रतिष्ठित तिथि को है। वर्ष २०२० में आज ही के दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर का भूमि पूजन किया था। यह एक महत्वपूर्ण घटना है जो आज भी अयोध्या के निवासियों के मन और आत्मा में अंकित है।''

अलग–अलग नाम से आधार–पैन जारी कराकर कई फर्जी फर्म के जरिए सरकारी जमीनों पर कब्जा कर बेंच दिया

लखनऊ। राजधानी में एक जालसाज ने अलग–अलग नाम से आधार–पैन जारी कराकर कई फर्जी फर्म के जरिए सरकारी जमीनों पर कब्जा कर उन्हें बेंच दिया। इसके साथ ही जालसाज ने लोगों से ठगी का करोड़ों का साम्राज्स स्थापित कर लिया है। मंगलवार को ठगी का शिकार हो चुके सर्राफा कारोबारी ने यह आरोप लगाते हुए आर्थिक अपराध शाखा, पुलिस आयुक्त व आयकर आयुक्त को लिखित शिकायत देकर मामले की जांच कराए जाने की मांग की है। गौरतलब है कि ठाकुरगंज थाना अंतर्गत सराय माली खां निवासी सर्राफ देवेंद्र रस्तोगी की चौक गोल दरवाजा के पास आभूषणों की दुकान हैं। लिखित शिकायत में पीड़ित ने बताया कि एक जालसाज ने सरोजनीनगर के गहरु गांव में हाइवे–किनारे जमीन दिलाने के नाम पर ५२ लाख रुपये लिए थे। रुपये देने के बाद सर्राफ को न तो जमीन मिली और न ही रुपये वापस मिले। पीड़ित सर्राफ का कहना है कि इस सम्बन्ध में उसने सम्बन्धित थाने में भी जालसाज के खिलाफ लिखित शिकायत की। बावजूद इसके पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद सर्राफ ने

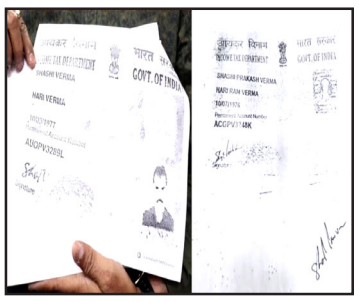

आरटीआई (सूचना का अधिकार अधिनियम) के जमीन की वास्तविकता पता की, तो पता चला कि जालसाज ने रजिस्ट्री कार्यालय में कार्यरत बाबूओं की मिलभगत से जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार किए, फिर एक ही खसरा नंबर पर कई लोगों को ग्रामसभा की जमीन बेच डाली। सर्राफ का कहना है कि पूर्व में भी जालसाज निजी और सरकारी बैंक फ्र ड के मामले में जेल जा चुका है। उसके खिलाफ सरोजनीनगर, ष्णानगर कोतवाली में धोखाधड़ी के अपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। सर्राफ देवेंद्र रस्तोगी ने बताया कि हाल ही में जालसाज ने बाराबंकी जनपद में भी सरकारी जमीन पर कब्जा कर उसे बेच दिया है। इस बात की भनक लगते ही सर्राफ ने मामले की तस्दीक की तब हैरान कर देने वाली बात सामने आई। पीड़ित सर्राफ का आरोप है कि जालसाज ने अपने नाम से दो आधार–पैन जारी कर लोगों से ठगी कर रहा है। इसके बाद सर्राफ ने जालसाज के खिलाफ कई अहम साक्ष्य भी एकत्र किए हैं, जिसके आधार पर जमीनों का एक फर्जीवाड़ा खुलकर आ सकता है। बशर्ते मामले की उच्चस्तरीय जांच हो जाए। मामले की जांच कराए जाने को लेकर सर्राफ ने आर्थिक अपराध शाखा, पुलिस आयुक्त व आयकर आयुक्त से मदद की गुहार लगाई है।

युवक पर गिरी शौचालय की दीवार, मलबे में दबने से मौत

लखनऊ। महानगर कोतवाली अंतर्गत पेपर मिल क लोनी में सोमवार देर रात घर में एक युवक पर शौचालय की दीवार भरभराकर गिर गई। इस हादसे में युवक मलबे में दबकर गंभीर रुप से जख्मी होगया। आनन–फानन उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मिश्र के मुताबिक, मूलरूप से बिहार के शिवहर निवासी सुजीत कुमार झा (३५) पत्नी चंदा देवी और दो बच्चों के साथ महानगर के नया बाबा का पुरवा क लोनी में किराये के मकान में रहता था। पत्नी चंदा ने बताया कि कमरे में शौचालय बना था, पार्टीशन के लिए एक दीवार खड़ी की गई थी। सोमवार रात उनका पूरा परिवार कमरे में सो रहा था। रात करीब १२ बजे पति शौचालय में लघुशंका करने पहुंचा तभी दीवार उन पर भरभरा कर गिर पड़ी। अचानक मलबा गिरने की आवाज से चंदा की नींद खुल गई और वह चीखने–चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुनकर पड़ोसी कमरे में पहुंच गए। पड़ोसियों ने फौरन सुजीत को मलबे से निकाल जख्मी हालत में सिविल अस्पताल में पहुंचाया, जहां ड क्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, सुजीत के सिर पर गंभीर चोट लगने से खून काफी बह चुका था, जिससे उसकी मौत हो गई।

संविदाकर्मी एनएचएम कार्यालय का कल करेंगे घेराव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ ने मंगलवार को जानकारी साझा की है। जिसमें बताया गया है कि कल यानी बुधवार को प्रदेश के सभी जिले से संविदा कर्मचारी लखनऊ पहुंचेंगे। इसके बाद एनएचएम कार्यालय का घेराव कर अपनी मांग रखेंगे। दरअसल, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ की तरफ से १५ सूत्रीय मांग को लेकर लंबे समय से संघर्ष किया जा रहा है। संघ के बैनर तले २६ जुलाई से स्वास्थ्य संविदा कर्मचारी समय–समय पर मांगों को लेकर अपना विरोध जता रहे हैं, लेकिन उसके बाद भी कई मांगें ऐसी हैं,जिसको लेकर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ ने लखनऊ स्थित एनएचएम कार्यालय पर पहुंचकर संविदाकर्मियों से प्रदर्शन कर अपनी मांग रखने को कहा है। बताया जा रहा है कि कल यानी मंगलवार को भारी तादात में स्वास्थ्य संविदा कर्मचारी राजधानी पहुंचेंगे और प्रदर्शन कर अपनी मांग रखेंगे।

तेज रफ्तार कार ने कांवड़ियों को कुचला, एक की मौत और तीन अन्य घायल

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के महमूदाबाद थाना क्षेत्र में कांवड़ियों के समूह में शामिल १७ वर्षीय एक लड़की की तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने इस घटना में समूह में शामिल तीन कांवड़ियों के घायल होने की भी जानकारी दी है। अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण रंजन ने बताया कि रविवार देर रात कांवड़ियों का एक समूह भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए बाराबंकी जिले के बड्डूपुर स्थित भगौली तीर्थ जा रहा था। इस समूह में १७ वर्षीय नेहा भी शामिल थी। रंजन के अनुसार,

कांवड़िये जब जयरामपुर इलाके से गुजर रहे थे, तभी तेज रफ्तार से आ रही एक कार ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में नेहा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य कांवड़िये–अरुण (१५), संजना (१७) और रजनी (१८) घायल हो गए। रंजन के मुताबिक, घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कांवड़ियों के समूह को टक्कर मारने वाली कार बरामद कर ली है और उसके चालक को भी हिरासत में ले लिया है।

मोटरसाइकिल की टक्कर में चार लोगों की मौत

बिहार । बिहार के कटिहार जिले में सोमवार को दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। कटिहार जिले के मनिहारी अनुमंडल के प्रभारी पुलिस अधिकारी मनोज कुमार के अनुसार, सभी मृतक ''सावान सोमवार'' के पावन अवसर पर गंगा में स्नान करने के लिए एक घाट की ओर जा रहे थे। अधिकारी ने कहा, ''दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में से दो स्थानीय थे, जबकि दो अन्य पड़ोसी पूर्णिया जिले से आए थे।'' पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतकों के परिजनों को सूचित किया जा रहा है।

दो दिवसीय अयोध्या दौरे पर CM योगी, रामलला के दरबार में लगाई हाजिरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां महापौर, विधायक समेत जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री मंगलवार शाम रामकथा पार्क पहुंचे। यहां से मुख्यमंत्री सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई। यहां मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भी भेंट किया गया। उन्होने यहां दर्शन–पूजन के उपरांत अयोध्यावासियों व श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां भी विधिवत दर्शन–पूजन किया। मुख्यमंत्री ने श्री राम जन्मभूमि में चल रहे निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली। योगी ने उस दौरान भी श्रीराम व संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई थी। दर्शन–पूजन के दौरान प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, अमित सिंह चौहान, रामचंद्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनप्रतिनिधियों और आम जनता से समन्वय कर कार्य करें और

समस्याओं को हल करें। मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने आयुक्त सभागार में विकास कार्यों व कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, योगी ने कहा, ”सभी अधिकारी जनप्रतिनिधियों एवं जनपदवासियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें और समस्याओं का निराकरण संवाद एवं समन्वय से करें।” मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अयोध्या के नगरीय एवं शहरी क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति २४ घंटे सुनिश्चित करायें तथा जहां भी ट्रांसफ र्मर के जलने व खराब होने की शिकायत मिले, उसे जल्द से जल्द ठीक करायें। योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों की समस्याएं सुनीं। योगी ने कहा कि अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं साधु–संतों व आम नागरिकों को धार्मिक नगरी अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को कम से कम पैदल चलना पड़े, इसके लिए ई–कार्ट, ई–बस आदि की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने कहा कि कुंडों के जीर्णोद्धार के कार्यों में पुरानी पद्धति का इस्तेमाल करें और जल शोधन करते हुये जल को शुद्ध रखें। अयोध्या में आपातकालीन चिकित्सा सुविधा के लिए ह स्पिटल कम ट्रामा सेंटर के लिए भूमि चिह्नित करने का प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया, जिससे आम नागरिकों को अयोध्या में ही ट्रामा सेन्टर की सुविधा उपलब्ध हो सके।

खतरों के खिलाड़ी १४: आसीम रियाज के बाद रोहित शेट्टी ने भाभीजी को किया बाहर

मुंबई। खतरों के खिलाड़ी १४: रोहित शेट्टी का एडवेंचर से भरपूर शो 'खतरों के खिलाड़ी'कलर्स पर प्रसारित हो रहा है. शो के शुरू होते ही चर्चा में आ गया है। 'खतरों के खिलाड़ी' वैसे भी एक चर्चित शो है।(खतरों के खिलाड़ी १४) भाभीजी घर पर है फेम शिल्पा शिंदे अब खतरों के खिलाड़ी शो से बाहर हो गई है। इससे पहले आसीम रियाज को रोहित शेट्टी ने शो से बाहर का रास्ता दिखाया था। दरअसल एलिमिनेशन स्टंट में शिल्पा का मुकाबला सुमोना चक्रवर्ती और टीवी एक्ट्रेस अदिति शर्मा के साथ था. सुमोना चक्रवर्ती 'द कपिल शर्मा शो' फेम रह चुकी है। आखिरी स्टंट में इन तीनों कंटेस्टेंट को करंट वाली स्टिक से ब ल निकालकर रोहित शेट्टी के पास इंस्टॉल किए हुए रोटेटिंग टेबल पर रखना था और इस स्टंट में सबसे कम बॉल इकट्ठा करने वाले खिलाड़ी को रोहित एलिमिनेट करने वाले थे। ये स्टंट सिर्फ डेंजर जोन में आए हुए कंटेस्टेंट को परफॉर्म करना था। शो के लेटेस्ट एपिसोड में रोहित शेट्टी ने सभी कंटेस्टेंट को फ्लैग इकट्ठा करने का टास्क दिया। इस टास्क के लिए उन्हें कई मुश्किल स्टंट परफॉर्म करने पड़े। जिन कंटेस्टेंट के पास सबसे कम फ्लैग थे, उन्हें एलिमिनेशन स्टंट का सामना करना पड़ा। रविवार को ऑन एयर हुए एपिसोड के अंत में रोहित शेट्टी ने सबसे कम फ्लैग के साथ डेंजर जोन में आए कंटेस्टेंट के नाम घोषित किए। इनमें २ फ्लैग जीतने वाली शिल्पा शिंदे के साथ शून्य फ्लैग जीतने वाली सुमोना चक्रवर्ती और अदिति शर्मा का नाम भी शामिल था। जब करंट वाला टास्क शुरू हुआ, सबसे पहले अदिति शर्मा को यह स्टंट परफॉर्म करने का मौका मिला। इस टास्क के दौरान उन्हें कई बार इलेक्ट्रिक शॉक लगा, लेकिन उन्होंने बिना किसी शिकायत के टास्क पूरा किया। अदिति ने ४ बॉल्स को करंट वाली डंडी से निकालकर पूल टेबल पर रखा।

इसके बाद सुमोना चक्रवर्ती ने भी इसी टास्क को पूरा किया और ४ बॉल्स निकालकर रोहित शेट्टी के सामने रखे रोटेटिंग पूल टेबल पर रख दीं। अदिति और सुमोना के बाद शिल्पा शिंदे ने यह स्टंट परफॉर्म किया। उन्होंने भी ४ ब ल्स निकालीं, लेकिन दुर्भाग्यवश, ४ में से १ बॉल टेबल के नीचे गिर गई। जब शिल्पा शिंदे ने यह टास्क परफॉर्म किया, तो उन्होंने रोहित शेट्टी द्वारा दिए गए इंस्ट्रक्शंस पर ध्यान नहीं दिया। रोहित शेट्टी ने स्टंट की शुरुआत में सभी कंटेस्टेंट को बताया था कि जब वे बॉल लेकर रोटेटिंग टेबल के पास आएंगे, तो उन्हें धीमी गति से पीछे आना होगा और उसी धीमी गति से बॉल को टेबल पर रखना होगा, ताकि रोटेशन की वजह से बॉल टेबल से न गिर जाए। लेकिन शिल्पा ने इस सलाह को नजर अंदाज किया और तेजी से पीछे आकर बॉल को टेबल पर रख दिया। इसके परिणामस्वरूप, रोटेशन की स्पीड के कारण ब ल टेबल से गिर गई। रोहित शेट्टी ने इस गिर गई बॉल को गिनने से इनकार कर दिया। टास्क के अंत में जहां सुमोना और अदिति के ४ बॉल्स गिने गए, वहीं शिल्पा के केवल ३ बॉल्स ही काउंट किए गए और उन्हें शो से बाहर कर दिया गया।

यश की फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स की शूटिंग ०८ अगस्त से बैंगलोर में होगी शुरू! ?

मुंबई। रॉकिंग स्टार यश की फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स की शूटिंग ०८ अगस्त से बैंगलोर में शुरू हो सकती है। अभिनेता और निर्माता यश को निर्माता वेंकट के. नारायण और उनके परिवारों के साथ कर्नाटक के कई मंदिरों में जाते हुए देखा गया। पूरे दिन, वह कर्नाटक के श्री सदाशिव रुद्र सूर्य मंदिर, धर्मस्थल में श्री मंजुनाथेश्वर मंदिर और सुब्रमण्य में कुक्के सुब्रमण्य मंदिर में देखे गए। प्रशंसकों ने इस अप्रत्याशित दृश्य का स्वागत किया, यह देखते हुए कि यह किसी भी नए प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले मंदिरों में जाने के यश के अनुष्ठान से मेल खाता है। कहा जा रहा है कि गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स ०८ अगस्त को बैंगलोर में फ्लोर पर आएगी। दिलचस्प बात यह है कि यह तारीख ८–८–८

होती है। रॉकिंग स्टार यश के साथ ८ नंबर का गहरा जुड़ाव है। यह उनकी जन्म तिथि और टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स की आधिकारिक घोषणा की तिथि से भी मेल खाता है।

एनटीआर जूनियर के साथ काम करना चाहती है कीर्ति सुरेश

मुंबई। जानीमानी अभिनेत्री कीर्ति सुरेश मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर के साथ काम करना चाहती है। एनटीआर जूनियर को मैन ऑफ मासेस के नाम से जाना जाता है, उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और बेहतरीन अभिनय के लिए वैश्विक पहचान और प्रशंसा प्राप्त की है। उनके प्रभावशाली अभिनय कौशल और विनम्र व्यक्तित्व ने उन्हें अपने साथी अभिनेताओं सहित कई लोगों के बीच पसंदीदा बना दिया है। जहां प्रशंसकों ने हमेशा उनके लिए अपने प्यार का इजहार किया है, वहीं कई मशहूर हस्तियों ने भी एनटीआर जूनियर के लिए अपनी प्रशंसा साझा की है और अक्सर उनके साथ काम करने की इच्छा व्यक्त की है। इस सूची में नवीनतम नाम अभिनेत्री कीर्ति सुरेश का जुड़ गया है। कीर्ति सुरेश ने मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर के बारे में बात की। जब उनसे उनके बारे में पूछा गया, तो उन्होंने पहली बार उनसे मिलने की याद ताजा की। उन्होंने कहा, मैंने एनटीआर जूनियर गुरु को पहली बार महानति ऑडियो लॉन्च पर देखा था। मुझे लगा कि हम साथ में फिल्म पर काम करने

के लिए एक बेहतरीन जोड़ी बनेंगे। वह बहुत प्यारे, मजेदार और ऊर्जावान हैं। उन्होंने उनके साथ एक और याद भी साझा की। उन्होंने उस समय के बारे में बात की जब एनटीआर जूनियर ने अपनी फिल्म महानति की सक्सेस पार्टी आयोजित की थी। वह इस बात से बेहद खुश थीं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lat; ckt ibZ
lhrkiqj
ek-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqj'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
ek-09386075289
मो० अरशद
C;wjks phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक